एड्स इनफोनेट

AIDS InfoNet

www.aidsinfonet.org

फैकटशीट नम्बर 207

# VACCINATION AND HIV
# टीकाकरण एवं एच आई वी

## टीकाकरण क्या है ?

टीकाकरण एक ऐसा उपचार है जो कि कुछ निर्दिष्ट संक्रमण के विरोध में शरीर का रक्षा कवच बनाते है। जैसे कि बहुत लोग पलू का टीका लेते है हर एक बार। प्रतिरोधक प्रणाली को कुछ सप्ताह लग सकता है टीका का प्रत्युत्तर देने में।

ज्यादातर टीका संक्रमण रोकने के लिए व्यवहार किया जाता है। हाँलाकि, कुछ, शरीर में उपस्थित संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। इनसब को 'भेराप्युटिक टीका' कहाते है। फैक्टशीट 480 देखे, शेराप्युटिक टीक के बारे में ज्यादा जानकारी के लिए एव एच आई वी के लिए भी।

जीवित टीका जीवाणु को कमजोर रूप का व्यवहार किया जाता है। यह तुम्हें हल्की स्थिति वाला बिमारी दे सकता है, लेकिन तब तुम्हारा प्रतिराधक प्रणाली तुम्हें गंभीर स्थिति से बचाने के लिए प्रतिक्षेप करता है। दूसरे निष्क्रिय टीका जीवित जीवाणु का व्यवहार नहीं करते है। तुम्हें वह बीमारी नहीं होगा लेकिन तुम्हारा शरीर अभी भी रक्षा कवच बना सकता है।

टीका का अतिरिक्त प्रभाव भी हो सकता है। जीवित टीका से तुम्हें इनकी स्थिति वाला बिमारी हो सकता है। निष्क्रिय टीका से तुम्हें दर्द, लाल होना एवं सूजन हो सकता है जहँ पर तुम्हें टीका लगता है। तुम्हें कमजोरी, शकावट एवं चक्कर लग सकता है।

## क्या अलग है एच आई वी संक्रमित लोगों में ?

अगर एच आई वी प्रतिरोधक प्रणाली का क्षय कर चुका है तो यह ठीक से टीका का प्रत्युतर नहीं दे सकता है या निर्धारित समय पर नहीं होता। अगर तुम एंटीवाइरल थेरापी जल्द शुख करोगे (फैक्टशीट 403 देखे) तुम्हें वेहतर प्रत्युत्तर मिलेगा अगर तुम अपने वाइरस भार को नियत्रण करने का एवं तुम्हारा सीडी 4 कोशिकाएँ बढ़ने का इंतजार करते हो (फैक्टशीट 124 देखे)

टीकाकरण, एच आई वी संक्रमित लोगो में अतिरिक्त प्रभाव का कारण हो सकता है। उन्हें वे सब बिमारीयाँ भी हो सकती है जिनको कि रोकने का उपाय किया गया है।

अभी यहाँ टीकाकरण एव एच आई वी संक्रमित लोग पर ज्यादा खोज नहीं हुआ है, विशेषकर जब से लोगों ने मिलाजुला एंटीरेट्रोवाहरल दवाइयों (ए आर वीख) का व्यवहार शुरु किया है। हाँलाकि यहाँ एच आई वी संक्रमित लोगों के लिए कुछ निर्देश दिया गया है –

- टीकाकरण वाइरल के दवाब को क्षणिक रुप से बढ़ा सकता है। (फैक्टशीट 125 देखे)। दूसरी तरफ फ्लू, हेपाटाइटिस या दूसरी रोकथाम वाले बिमारी होने से स्थिति और भी खराब हो जाता है। कभी भी अपने वाइरस का दवाब टीकाकरण के 4 सप्ताह के अंदर मत मापो।
- एच आई वी संक्रमित लोगो पर फ्लू टीका पर ज्यादा खोजबीन हुआ है बनिस्पत कि अन्य टीकाकरण पर। इन सभी को सुरक्षित एवं प्रभावित माना जाता है। हाँलाकि एच आइ वी संक्रमित लोगों को 'फलू मिस्ट' नाक का छिड़काव व्यवहार नहीं करना चाहिए क्यों कि इसमें जीवित वाइरस होते है।
- अगर तुम्हारा सीडी–4 कोशो की संख्या बहुत कम है तो टीका काम नहीं भी कर सकता है। अगर संभव हो, अपना टीकाकरण से पहले प्रबल ए आर वीस लेकर अपना प्रतिरोधक प्रणाली को मजबूत करो।
- एच आई वी संक्रमित लोगो को ज्यादातर जीवित टीका, (नीचे देखो) जिसमें चिकनपाक्स (वेरीसेला) या छोटी माता टीका भी शामिल है, नहीं लेना चाहिए। कभी भी ये टीका न ले जब तक कि आपके डकटर सहमति न दें कि यह आपके लिए सुरक्षित है। उनलोगों से नजगीकी सम्पर्क नहीं रखना चाहिए जिसने गत् 2 या ३ सप्ताह में जीवित टीका लिया हो। अब तक 'एम एम आर' टीका जो कि मिजिल्स, मम्पस् एवं रुवेला के लिए दिया जाता है, एवं इसे सुरक्षित माना जाता है उनलोगो के लिए जिनका सी डी–4 कोश की संख्या 200 से उपर है।

## किस टीका को उपयुक्त बताया गया है ?

१. **निमोनिया :** एच आइ वी संक्रमण, निउमोकोकल निमोनिया होने का खतरा

को आप में बढ़ा देता है। इसका टीका का प्रभाव 2 या 3 सप्ताह में होता है यह सुरक्षा, एच आई वी संकमित लागों में 5 साल तक रहता है।

२. **हेपाटाइटिस (फैक्टशीट 506 देखे) :**

हेपाटाइटिस कुछ भिन्न प्रकार के वाइरस के कारण होता है। हेपाटाइटिस ए एवं बी के लिए टीका उपलब्ध है। हेपाटाइटिस ए साधरणतः उतनी गंभीर नहीं है लेकिन यह उनलोगों के लिए है जिनका कि लीवर कमजोर है। इनमें वे लोग भी सम्मिलित है जिन्हें हेपाटाइटिस बी एवं सी है।

हेपाटाइटिस बी का दो टीकाकरण आपका 20 बर्ष तक सुरक्षा दे सकता है। हेपाटाइटिस बी से गंभीर बीमारी हो सकता है। अगर तुम्हें हेपाटाइटिस बी होता है तो तुम्हें एटीबॉडीस लेना चाहिए। अगर तुम नहीं लेते तो तुम्हें टीका लगा लेना चाहिए। हेपाटाइटिस B का तीन टीका क्रम में लेने से यह तुम्हें 10 वर्ष तक के लिए सुरक्षित करता है।

उनलोगों में जहाँ लड़के-लड़के के बीज संक्स होता है एवं जो लोग रास्ते का ड्रग व्यवहार करते है या ड्रग का सुई लगाते है, उनमें हेपाटाइटिस A या B होने का ज्यादा खतरा है।

3. **इनफ्लूएन्जा (फलू) :** सबसे ज्यादा सक्रिय प्रकार के फलू के आधार पर, फलु टीक हर साल दिया जाता है। सभी एच आई वी संक्रमित लोगों को फ्लू का टीका देने का सलाह दिया गया है। सबसे ज्यादा सुरक्षित होने के लिए तुम्हें फ्लु का टीका बीच नवम्बर में जबकि फ्लू का समय होता लेना चाहिए। कभी-कभी एक फ्लू का परिस्थिति निमोनिया में परिवर्तित हो जाता है। कुछ फ्लू के टीका से एर्लर्जी हो सकता है उनमें, जिन्हें अंडा से एर्लजी है ।एक नया तरह का फ्लू टीका जिसे 'फ्लू मिस्ट' कहते है, उसे हाल ही में अनुमति मिला है। यह एक 'जीवित दीण' टीका है। जिनका प्रतिरोधक प्रणाली कमजोर है उनपर इस टीका के प्रभाव का ज्यादा खोज-बीन नही हुआ है। फ्लु मिस्ट नाक का छिड़-काव उनलोगों को व्यवहार नहीं करनी चाहिए जो एच आइ वी संक्रमित है।

4. टिटेनस एवं डिप्थेरिया (धनुष्टका एवं काली खाँसी) : टिटेनास एक गंभीर बिमारी है जो कि साधरण बैक्टेरिया द्वारा होता है।

टिटेनस का संक्रमण चमड़े के किसी भी कटे हुए स्थान में हो सकता है। यह एक से दूसरे आदमी में पास नहीं हो सकता है। जो ड्रग की सुई लेने है उनमें टिटेनस का संक्रमण होने का ज्यादा खतरा होता है। डिप्थेरिया एक दूसरा बैक्टरिया वाला बिमारी है जो कि एक आदमी से दूसरे में फैलता है एवं यह बेधर लोगों में आम है। डिप्थेरिया एवं टिटेनस टीका हमेशा मिलाया हुआ होता है।

टिटेनस एवं डिप्थेरिया टीका साधारणतः बच्चों में क्रम से तीन बार दिया जाता है। इसकी एक बुस्टर टीका हर 10 साल में दिया जा सकता है। एच आई वी संक्रमित लोगों को हर 10 साल में दिया जा सकता है। एच आई वी संक्रमित लोगो को हर 10 साल में या 5 साल के बाद एक बार से ज्यादा यह टीका नहीं लेना चाहिए अगर वे जख्मी है। यह टीका लेने से उस स्थान पर प्रतिक्रिया होने के कारण प्राय दर्दनाक होता है। इस टीका के कारण गाँढ बन सकता है जो कि कुछ सप्ताह तक रह सकता है।

5. **मिलिक्स, मम्प्स एव रुबेला :** से सभी बिमारीयाँ वाइरस के कारण होती है। यह बहुत ही छूतवाली बिमारी है एवं सर्दी-खाँसी से फैलती है। बच्चों को साधारणतः इन बिमारीयों का टीका 'एम एम आर' दिया जाता है। यह टीका साधारणतः जीवन भर के लिए इन बिमारीयों से सुरक्षा देती है। अगर आप का जन्म 1957 के पहले हुआ है एवं आपको बचपन में यह टीका नहीं लगा है तो आपको एक एंम एम आर का टीक लगा लेना चाहिए। हाँलाकि, चुँकि यह जीवित टीका है, उन व्यक्तियों को लेने की सलाह नहीं दी जाती है जिनका कि सीडी-4 कोशिकाओं की संख्या 200 से नीचे है।

6.**मेनिनजाइटिस (मेनिनगो-कोकल मेनिनजाइटिस) :** पिछले कुछ वर्षो में यहाँ मेनिनजाइटिस का कई बार प्रकोप फैला था। इनमें ज्यादातर कॉलेज कैम्पस में हुआ था़ जिनलोगों का प्रतिरोधक प्रणाल कमजोर है उनको मेनिनजाइटिस होने का ज्यादा खतरा होता है अगर उन्हें प्रदर्शित किया जाय तो।

## एच आई वी-पॉसिटिव यात्री :

हरएक एच आइ वी वाले यात्री को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनको हेपाटाइटिस ए एवं बी का टीका लग गया हो।

किसी भ दशों में जाने के लिए उन देशों का विभिन्न प्रकार का टीका का जरुरत पड़ता है। साधरण तौर पर निष्क्रिय टीका एच आई वी यात्री के लिए समस्या नहीं होनी चाहिए। हाँलाकि उन्हें जिसमें पीला बुखार एवं छोटी माता का टीका भी शामिल है। अगर पोलिओ और टाइफॉयड् टीका की जरुरत पड़े, उन्हें निष्क्रिय रूप में लेना चाहिए, न कि जीवित रुप में।

जीवित टीका लेने के बजाय, एच आइ वी संक्रमित लोगों को स्वास्थ्यकर्ता का एक पत्र रखना चाहिए जिसमें यह लिखा गया हो कि इनलोगों को डॉक्टरी परामर्श के वहत् टीका न दिया जाय यह ज्यादातर सभी देशों में माना जाता है।

पुनः संशोधन अक्टुबर 18, 2010

**A project of the New Mexico AIDS Education and Training Center. Partially funded by the National Library of Medicine**
**Fact Sheets can be downloaded from the Internet at http://www.aidsinfonet.org**